<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 4604

23 मार्च, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात आधारित कारखाने

4604. श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) झारखंड में जिला-वार इस्पात आधारित कितने कारखाने हैं और उनकी इकाई-वार उत्पादन क्षमता और कुशलता क्या है;

(ख) क्या ये अपनी उत्पादन क्षमता को पूरा कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस कमी को पूरा करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जाने हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): वर्ष 2018-19 में झारखंड में इस्पात फैक्ट्रियों की कुल संख्या 46 थी। मौजूदा इस्पात फैक्ट्रियों का जिलावार ब्योरा (संख्या, क्षमता और क्षमता उपयोग) **अनुलग्नक-I** पर दिया गया है।

(ख) और (ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका सुविधाप्रदाता की है जो इस्पात क्षेत्र की कार्यक्षमता तथा निष्पादन को बेहतर करने के लिए अनुकूल माहौल सृजित करने हेतु व्यापक नीतिगत दिशानिर्देश निर्धारित करती है। इस्पात मंत्रालय गैर-सरकारी इस्पात फैक्ट्री-वार क्षमता और उत्पादन संबंधी आंकड़ों को नहीं रखता है। तथापि, वर्ष 2018-19 में झारखण्ड में इस्पात फैक्ट्रियों का कुल इस्पात उत्पादन 17.53 एमटी था।

****

अनुलग्नक-I

दिनांक 23.03.2020 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4604 के भाग (क) का उत्तर

वर्ष 2018-19 के दौरान झारखंड में इस्पात-आधारित उद्योगों (केवल इस्पात क्षेत्र) का जिलावार ब्यौरा				
जिला	**सेंग्मेंट**	**इकाइयों की सं.**	**क्षमता (हजार टन में)**	**क्षमता उपयोग**
बोकारो	सी.आर. उत्पाद	1	2860	35%
	जीपी / जीसी उत्पाद	1	120	119%
	एच. आर. उत्पाद	1	3995	64%
	रि-रोलिंग	2	1460	60%
पूर्वी सिंहभूम	सी.आर. उत्पाद	3	2655	57%
	रंगीन उत्पाद	1	150	101%
	जीपी / जीसी उत्पाद	2	640	86%
	एच. आर. उत्पाद	1	6700	72%
	रि-रोलिंग	7	3035	83%
	टिन प्लेट्स	1	380	94%
गिरिडीह	रि-रोलिंग	9	279	94%
कोडरमा	रि-रोलिंग	2	106	53%
रामगढ़	रि-रोलिंग	3	144	10%
राँची	रि-रोलिंग	1	6	0%
सराईकेला	सी.आर. उत्पाद	1	250	7%
	रि-रोलिंग	7	2290	106%
पश्चिमी सिंहभूम	सी.आर. उत्पाद	1	250	25%
	जीपी / जीसी उत्पाद	1	180	89%
	रि-रोलिंग	1	60	0%
स्रोत : जेपीसी				